प्राश्निक कोड क्र. 10/2319

पृष्ठ क्र.- 01

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा

आदर्श उत्तर SET A

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	आदर्श उत्तर	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
उत्तर 1.	सही विकल्प :-	5 अंक
1.	उद्भव	
2.	1943 से (सन्)	
3.	कहानी	
4.	भभूत का	
5.	क्रिया	
उत्तर 2	रिक्त स्थान में सही शब्द चयन -	5
1.	आलम्बन	
2.	पत्थर,	
3.	जयशंकर प्रसाद	
4.	व्याकुल	
5.	आठ	
उत्तर 3.	असत्य / सत्य :-	5
1.	असत्य	
2.	सत्य	
3.	सत्य	
4.	सत्य	
5	असत्य	
उत्तर 4	सही जोड़ी :-	5
1.	आपका बंटी - मन्नू भंडारी	
2.	गद्य की प्रमुख विधा - कहानी	
3.	मानवीय करुणा का आरोप - मानवीकरण अलंकार	
4.	उत्साह - एक आह्वान गीत	
5.	जो कम बोलता हो - मित भाषी	
उत्तर 5.	एक वाक्य में उत्तर :-	5

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्रं. 101 2319

पृष्ठ क्र.- 02

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय.................. विषय कोड 1022 माध्यम..................

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
1.	भदंत आनंद कौसल्यायन	
2.	सूरदास	
3.	मछलियों को	
4.	माताओं की	
5.	प्रिय प्रवास	
उत्तर 6	वे अव्यय शब्द निपात शब्द कहलाते हैं, जो किसी शब्द, पद के बाद लगकर उसके अर्थ में विशेष बल देते हैं। जैसे भर, तक, केवल, ही, जी, मात्र, भी, तो आदि अथवा/OR जब कोई वाक्यांश प्रयोग होते-होते विशेष अर्थ देने लगता है तब वह मुहावरा बन जाता है। मुहावरों में बहुत अनुभव भरा रहा है। उदाहरण = नाक में दम करना इसका अर्थ है परेशान करना	2 अंक
उत्तर 7	गोपियों के अनुसार राजा का धर्म है कि वह अपनी प्रजा पर किसी प्रकार का अत्याचार न होने दे तथा स्वयं भी अत्याचार न करे। प्रजा के प्रत्येक दुख को समाप्त कर उसे सुख पहुँचाने का प्रयास करे। अथवा/OR कविता का शीर्षक उत्साह इसलिए रखा गया है कि उत्साह, उमंग या जोश का पर्याय है। बादलों को उमड़ता तथा गर्जन करता हुआ देखकर प्राणियों में उत्साह भर जाता है।	2

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्र. 10	2319		पृष्ठ क्र.- 02
			प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 3

समय - 3 घण्टा पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
उत्तर 8	बच्चों की मुस्कान स्वार्थ रहित और मन को प्रसन्न करने वाली होती है जबकि बड़े व्यक्ति की मुस्कान में कोई न कोई रहस्य छिपा रहता है। अतः वह मन को अधिक प्रसन्नता नहीं देती है।	2
	अथवा/OR	
	कविता मे फसल उपजाने के लिए आवश्यक तत्वों की बात कही गई है। वे आवश्यक तत्व वायु, तेज, जल, पृथ्वी तथा परिश्रम और अच्छी फसल प्राप्त करने मे उर्वरक (उपजाऊ) मिट्टी की भी अहम भूमिका होती है।	
उत्तर 9	किसी भी क्षेत्र में संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभावान होते हुए भी मुख्य या शीर्ष स्थान पर इसलिए नहीं पहुँच पाते होंगे कि या तो वे पूर्ण रूप से परिपक्व नहीं है या सर्वजन हिताय सहयोगी के रूप में ही कार्य करना चाहते है।	2
	अथवा/OR	
	लक्ष्मण ने पहले ही परशुराम के प्रति अनेक व्यंग्यपूर्ण कठोर बातें कह दी थी। बाद मे जब इन्होंने परशुराम से यह कहा कि आप तो काल को पुकार-पुकार कर उसे बार-बार मेरे लिए बुला रहे हैं, तब परशुराम का क्रोध बेकाबू हो गया। उन्होंने लक्ष्मण को मारने	

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्रं.............

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय.............................. विषय कोड.............................. माध्यम..............................

कुल प्रश्न....... 20

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक..... 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	के लिए अपने भयानक फरसे को हाथ में ले लिया।	
उत्तर10	रीतिकालीन काव्य की विशेषताएं (दो)	2
1.	इस युग में लिखा गया काव्य जीवन की समस्याओं से दूर रहा है।	
2.	काव्य में श्रृंगार रस की प्रधानता रही	
3.	मुक्तक काव्य की ओर ही विशेष ध्यान दिया गया।	
4.	परिमार्जित एवं ब्रज भाषा का प्रयोग किया गया है	
	अथवा/OR	
	प्रगतिवादी काव्य की विशेषताए निम्नलिखित है।	
1.	प्रगतिवादी कविता की भाषा जनसाधारण की भाषा के समान रही।	
2.	इस कविता मे राजनैतिक, आर्थिक, और सामाजिक शोषण से मुक्ति का स्वर प्रधान है।	
3.	प्रगतिवादी कविता मार्क्सवादी विचारधारा से प्रभावित हुई।	
उत्तर11.	हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरूपयोग है हमारी दृष्टि मे आज विज्ञान एक अभिशाप बन गया है। विज्ञान का दुरूपयोग आज युद्ध के क्षेत्र मे विस्फोटक एवं प्रलयंकारी बम आदि बनाकर, कीटनाशक के रूप में जहरीली दवाएं बनाकर किया जा रहा है।	2
	अथवा/OR	

हस्ताक्षर..............

प्राश्निक कोड क्रं. 10	2319

पृष्ठ क्र.- 05
प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय हिन्दी विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	आशय = जब मनुष्य की योग्यता उससे उसी के विनाशक साधनो ; जैसे परमाणु बम आदि का अविष्कार करवाती है तब हम उसे उसकी असंस्कृति ही कहेगें क्योंकि संस्कृति तो कल्याणकारी होती है। संस्कृति से मानसिक क्षेत्र की प्रगति सूचित होती है।	
उत्तर 12	शहनाई का प्रयोग प्रमुख रूप से (मंगलध्वनि) मांगलिक कार्यो के अवसर पर किया जाता है। बिसमल्ला खाँ एक प्रमुख शहनाई वादक थे। इसलिए उन्हें शहनाई की मंगलध्वनि का नायक कहा गया है।	2
	अथवा/OR	
	लेखिका का अपने पिता से अक्सर वैचारिक मतभेद होता ही रहता था। लेखिका के सावले रंग की होने के कारण पिता हीनता की भावना से देखते थे। लेखिका अपने सहपाठी के साथ नारे लगाती हुई जुलूस मे सम्मिलित होती थी तो वह सब पिताजी को बुरा लगता था और वे उन्हें ऐसा करने को मना करते। अतः लेखिका के अपने पिता से समय-समय पर वैचारिक मतभेद होते रहे है।	
उत्तर 13	छंद का शाब्दार्थ बन्धन है। वर्ण, मात्रा, गति, यति, लय, तुक आदि नियमो से नियोजित शब्द रचना छंद कहलाती है। छंद के भेद- (i) मात्रिक छंद (ii) वार्णिक छंद	2

हस्ताक्षर

अथवा/OR

प्राश्निक कोड क्र. 10 | 2319

पृष्ठ क्र.- 06
प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय............ विषय कोड 1022 .... माध्यम............

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	रस की परिभाषा :-	
	किसी काव्य साहित्य, कहानी, उपन्यास को पढ़ने सुनने, देखने में पाठक, श्रोता, दर्शक को जिस आनंद की अनुभूति होती है, उसे हम रस कहते हैं. रस के अंग :-	
1.	स्थाई भाव (ii) विभाव	
(iii)	अनुभाव (iv) संचारी भाव	
उत्तर 14	रामभक्ति शाखा की प्रमुख विशेषताएँ (कोई दो)	2 अंक
1.	राम भक्ति शाखा के कवियों के इष्टदेव मर्यादा पुरुषोत्तम राम हैं।	
2.	इनकी भक्ति दास्य भाव की है।	
3.	राम भक्त कवियों ने समन्वय पर जोर देकर लोक मंगल का विधान करने का प्रयत्न किया है।	
4.	इस शाखा के कवियों ने प्रबन्ध तथा ~~मुक्तक~~ मुक्तक काव्यों की रचना की है।	
	अथवा/OR	
	छायावाद के प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ इस प्रकार हैं —	
	कवि — रचनाएँ	
1.	जयशंकर प्रसाद — कामायनी, झरना, आँसू, लहर, प्रेमपथिक, कानन कुसुम आदि	
2.	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला — अनामिका, गीतिका, परिमल, अपरा, सरोज, स्मृति आदि	
3.	सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा इनकी रचनाएँ लिखने पर भी अंक दिये जावें।	

हस्ताक्षर............

प्राश्निक कोड क्र. 10	2319

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय........ विषय कोड 1022 ....माध्यम........

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
उत्तर 15	लेखक स्वयं यह जानना चाहता है कि वह क्यो लिखता है, लिखे बिना इस प्रश्न का उत्तर मिल ही नही सकता है। इसलिए लेखक लिखता है। लिखकर ही लेखक अपने भीतर की विवशता को पहचानता है और लिखकर ही वह मुक्त होता है।	2
	अथवा/OR	
	प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था नायाब ढंग से की है। प्रकृति सर्दियों में बर्फ के रूप में जल संग्रह कर लेती है और गर्मियों में पानी के लिए जब त्राहि-त्राहि मचती है, तो यही बर्फ शिलाएं पिघलकर जलधारा बन हमारे सूखे कंठो को तरावट पहुँचाती है। सचमुच प्रकृति ने जल संचय की कितनी अद्भुत व्यवस्था की है।	
उत्तर 16	माँ थाली में दही भात सानती (मिलाती) है और अलग-अलग तोता मैना, कबूतर, हंस मोर आदि के बनावटी नाम से कौर बनाकर यह कहते हुए खिलाती जाती कि जल्दी खा लो नही तो उड़ जाएगे। बालक इतनी जल्दी खा लेता था कि पक्षियो को उड़ने का मौका ही नही मिलता था।	2
	अथवा/OR	
	यूमथांग से वापस आते समय जितेन ने बताया कि वहा एक पत्थर है जिस पर	

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्रं. 10|2319

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	गुरुनानक की थाली से थोड़े से चावल छिटक कर बाहर गिर गए थे। जिस जगह चावल छिटक कर गिरे थे; वहां चावल की खेती होती है।	
उत्तर17	समास विग्रह :- कोई (तीन)	3 अंक
1.	यथासमय = समय के अनुसार = अव्ययीभाव समास	
2.	महात्मा = महान है आत्मा जिसकी = बहुव्रीहि समास	
3.	राजकुमार = राजा का कुमार = तत्पुरुष समास	
4.	लाभ-हानि = लाभ या हानि = द्वन्द्व समास	
	अथवा	
	संधि विच्छेद :- कोई (तीन)	
1.	मतानुसार = मत + अनुसार = दीर्घ स्वर संधि	
2.	महोत्सव = महा + उत्सव = गुण स्वर संधि	
3.	मनोहर = मनः + हर = विसर्ग संधि	
4.	मातृाज्ञा = मातृ + आज्ञा = यण संधि	
उत्तर18	मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग :-	3
1.	अपने पाव पर कुल्हाड़ी मारना (अर्थ) स्वयं अपनी हानि करना। प्रयोग :- दुष्ट से झगड़ा मोल लेकर मैंने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली।	
2	अपने मुंह मियां मिट्ठू बनना। अर्थ अपनी प्रशंसा स्वयं करना प्रयोग :- आजकल स्वार्थी मित्र अपने मुँह मियां मिट्ठू बनने में तनिक भी संकोच नहीं करते है।	

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्र. 10 | 2319

पृष्ठ क्र.- 09
प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड .... माध्यम ....

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	अपना उल्लू सीधा करना (अर्थ) स्वार्थ साधना	
	प्रयोग :- आजकल अधिकांश राजनेता गद्दी मिलते ही अपना उल्लू सीधा करने लगते हैं।	
	अथवा/OR	
	निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन :-	
1.	बच्चो! गुरुजनों का आदर करो।	
2.	क्या सीमा विदुषी है?	
3.	वह परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होगा।	
उत्तर 19.	उपन्यास में समग्र जीवन का व्यापक और विस्तृत चित्र उपस्थित रहता है और कहानी में जीवन की एक झलक मात्र।	3
•	कहानी केवल इतनी बड़ी हो सकती है कि एक बैठक में समाप्त हो जाए। जबकि उपन्यास के साथ ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।	
•	कहानी में एक कथा होती है। उपन्यास में एक मुख्य कथा के साथ-अन्य प्रासंगिक कथाएँ होती हैं।	

	नाटक	एकांकी
1.	नाटक में अनेक अंक होते हैं।	एकांकी में एक अंक होता है।
2	नाटक में अधिकारिक कथा के साथ-साथ गौण कथाएँ भी होती हैं।	एकांकी में एक ही सहायक कथा और घटना होती है।

हस्ताक्षर........

प्राश्निक कोड क्रं 10/2319

पृष्ठ क्र.- 10

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय.................. विषय कोड.................. माध्यम..................

कुल प्रश्न 20

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
3.	नाटक में चरित्र का क्रमशः विकास दर्शाया जाता है। एकांकी में पात्रों की क्रियाकलापों और चरित्रों का संयोजन इस रूप में होता है कि एकांकी होते हुए भी उसके व्यक्तित्व का समूचा बिम्ब मिल जाये।	
4.	नाटक के कथानक में फैलाव व विस्तार होता है। एकांकी के कथानक में घनत्व रहता है।	
उत्तर 20	गोस्वामी तुलसीदास :- रचनाएँ :- रामचरितमानस, विनयपत्रिका, दोहावली, गीतावली, कृष्ण गीतावली, कवितावली, जानकी मंगल, पार्वती मंगल आदि भावपक्ष :- सामाजिक समरसता, समन्वय की भावना एवं लोक मंगल की भावना तुलसी के साहित्य में भरी पड़ी है। तुलसीदास राममक्ति शाखा के प्रतिनिधि कवि हैं। राममक्ति शाखा उनके काव्य में हृदय की विशालता, भावाभिव्यक्ति की शक्ति, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि की व्यापकता है। कलापक्ष :- तुलसीदासजी ने ब्रज और अवधी दोनों भाषाओं में काव्य रचना की है। संस्कृत, फारसी और अरबी शब्दावली	4 अंक

हस्ताक्षर..................

प्राश्निक कोड क्र. 10 2319

पृष्ठ क्र.- 11
प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा पूर्णांक

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	का प्रयोग भी उत्कृष्ट कोटि का है।	
	उन्होंने दोहा, चौपाई, कवित्त, सवैया छंद लिखे हैं	
	और अनेक रसों का समावेश उनके	
	लेखन में मिलता है।	
	साहित्य में स्थान :- तुलसीदास ने लोकहित	
	और लोकजीवन को सुखी बनाने के लिए	
	माता पिता, गुरु-शिष्य, पिता-पुत्र, पुत्र-सेवक	
	राजा-प्रजा के आदर्श रूप प्रस्तुत किये हैं।	
	आपको लोकनायक कवि के रूप में जाना	
	जाता है। और एक अच्छे आदर्श समाज	
	सुधारक, दार्शनिक एवं युग प्रवर्तक थे।	
	सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला"	
	रचनाएँ :- अनामिका, आराधना, अपरा, अणिमा	
	परिमल, गीतिका, तुलसीदास, गीतगुंज आदि	
	भावपक्ष :- निरालाजी छायावादी काव्यधारा	
	के प्रमुख स्तम्भ माने जाते हैं।	
	क्रान्तिकारी प्रगतिशील विद्रोही और बेबाक	
	व्यक्तित्व एवं शोषक वर्ग के प्रति उनका	
	आक्रोश पूर्णरूप से उन्हें निराला बनाता है।	
	उनके साहित्य में दलित समाज के प्रति	
	भी गहरी सहानुभूति का भाव है। उन्होंने	
	श्रृंगार, प्रेम, प्रकृति सौंदर्य, और राष्ट्र-प्रेम	
	आदि विषयों पर भी काव्य रचना की है।	
	कलापक्ष :- उनके काव्य में भाषा का कसाव	

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्रं. 10	2319

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 24

समय - 3 घण्टा पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	संस्कृतनिष्ठ शब्दो के साथ ही सोधि समास युक्त शब्दो का भी प्रयोग निरालाजी ने किया है। वे छंदमुक्त काव्य के प्रवर्तक माने जाते है। उन्होंने हिन्दी गजलो की रचना भी की है।	
	साहित्य मे स्थान :- निरालाजी छायावाद के प्रमुख स्तम्भ मुक्त छंद के प्रवर्तक माने जाते है। उन्होंने हिन्दी गजलों की रचना भी की है। शोषित व दलितो के मसीहा व्यापक विचारो और भावो से सम्पन्न एक सशक्त कवि के रूप मे चिरस्मरणीय रहेंगे।	
उत्तर 21	रामवृक्ष बेनीपुरी साहित्यिक परिचय :-	4
	रचनाएँ :- पतितो के देश मे, माटी की मूरतें, चिता के फूल, सीता की माँ, मशाल आदि	
	भाषाशैली :- बेनीपुरीजी की भाषा व्यावहारिक सरलता, सुबोधता और सजीवता से युक्त है। तत्सम, देशज, विदेशी सभी प्रकार के शब्दो का प्रयोग किया है। मुहावरो और कहावतो से भाषा मे सुंदरता आ जाती है। वर्णनात्मक, भावात्मक, चित्रात्मक, प्रतीकात्मक आलोचनात्मक शैली इनकी रचनाओ मे देखने को मिलती है।	
	साहित्य मे स्थान :- बेनीपुरीजी क्रान्तिकारी	

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्र. 10 | 2319

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय.......... विषय कोड.......... माध्यम..........

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	व्यक्तित्व में उत्कृष्ट देशभक्ति, मौलिक साहित्यिक प्रतिभा, निःस्वार्थ समाज सेवा और चारित्रिक पावनता का अद्भुत समन्वय है। कई पत्र-पत्रिकाओं में सम्पादन का कार्य भी किया है। नाटकों निबन्धों, कहानियों रेखाचित्र आदि गद्य के क्षेत्र में इनकी अच्छी पकड़ है। एक देशभक्त साहित्यकार के रूप में बेनीपुरीजी का नाम हिन्दी साहित्य में सदा अमर रहेगा।	
	अथवा/OR	
	मन्नू भण्डारी :-	
	रचनाएँ :- महाभोज, एक प्लेट सैलाब में हार गई, यह सच है, आँखों देखा झूठ, स्वामी, एक इंच मुस्कान आदि।	
	भाषा शैली :- मन्नू भण्डारी की भाषा सरल सहज तथा स्वाभाविक है। प्रसंगानुकूल अपने भाषा में अंग्रेजी, उर्दू शब्दों के साथ-साथ मुहावरों का भी प्रयोग किया। आपकी कहानियों तथा उपन्यासों में भाषा और शिल्प की सादगी मिलती है। लेखिका ने अपनी रचनाओं में प्रमुख रूप से वर्णनात्मक तथा भावात्मक शैली का प्रयोग, चित्रात्मक शैली के प्रयोग में आप सिद्धहस्त हैं। समासों का प्रयोग करना भी आपकी प्रमुख विशेषता रही है।	

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्रं. 101 2319

पृष्ठ क्र.- 14

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय........ विषय कोड 1022 माध्यम........

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	साहित्य में स्थान :- मन्नू भण्डारी एक सुलझी हुई लेखिका है। वे एक क्रांतिकारी के रूप में भी जानी जाती है। हिन्दी अकादमी के शिखर सम्मान सहित अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।	
उत्तर 22	महाकाव्य और खण्डकाव्य में अंतर	04
1.	महाकाव्य की कथावस्तु विस्तृत रहती है, जबकि खण्डकाव्य की कथावस्तु सीमित रहती है।	
2.	महाकाव्य में अनेक पात्र होते हैं, जबकि खण्डकाव्य में पात्रों की संख्या सीमित होती है	
3.	महाकाव्य में अनेक छंदो का प्रयोग होता है- जबकि खण्डकाव्य में एक ही छंद का प्रयोग होता है।	
4.	महाकाव्य में आठ से अधिक सर्ग होते हैं, जबकि खण्डकाव्य में सर्गों की संख्या कम रहती है।	
	अथवा/OR	
	शब्द शक्ति :- शब्द के अर्थ का बोध कराने वाली शक्ति को शब्द शक्ति कहते हैं। शब्द शक्ति के मुख्यत: तीन प्रकार हैं : (i) अभिधा (ii) लक्षणा (iii) व्यंजना	
उत्तर 23	राष्ट्रभाषा / राजभाषा	04
1.	संविधान द्वारा स्वीकृत ~~पूरे राष्ट्र की संपर्क भाषा को~~ राष्ट्रभाषा कहते हैं। / जो भाषा सरकारी कामकाज में प्रचलित होती है, उसे राजभाषा कहते हैं।	

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्र. 101 2319

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक			प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
2.	राष्ट्रभाषा का प्रशासनिक उपयोग राजभाषा से अधिक होता है।	राजभाषा का प्रशासनिक उपयोग राष्ट्रभाषा की तुलना में कम होता है	
3.	राष्ट्रभाषा का कार्यक्षेत्र संपूर्ण राष्ट्र होता है।	राजभाषा का कार्यक्षेत्र किसी एक या अधिक राज्य तक ही सीमित रहता है	
4.	राष्ट्रभाषा को संस्कृति, इतिहास और साहित्य की प्रेरणा होती है। इसे राजनैतिक संरक्षण प्राप्त होता है।	कार्य के निर्णय शिक्षा का माध्यम, रेडियो, और दूरदर्शन आदि में राज्य भाषा का ही प्रयोग होता है।	

अथवा/OR

काव्य में जहाँ पर अप्रस्तुत कथन के द्वारा प्रस्तुत का बोध हो, वहाँ पर अन्योक्ति अलंकार होता है। उदाहरण :-

माली आवत देखकर, कलियन करी पुकार।
फूले-फूले चुन लिए, कल्हि हमारी बार।

उक्त उदाहरण में माली है — काल, कलियाँ हैं — युवक और फूले-फूले हैं — वृद्धजन। अतः यहाँ पर अन्योक्ति अलंकार होता है।

उत्तर 28 संबोधन अभिवादन विषयवस्तु - प्रस्तुतीकरण पर स्वविवेक से अंक दिये जावे। 04

हस्ताक्षर

अथवा/OR

प्राश्निक कोड क्रं. 1012319

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	विज्ञापन एक माध्यम है, ग्राहको को अपनी ओर आकर्षित करके वस्तु को बेचने का। दूसरे शब्दों में किसी उत्पाद अथवा सेवा को बेचने अथवा प्रवर्तित करने के उद्देश्य से किया जाने वाला जनसंचार विज्ञापन (Advertisement) कहलाता है। विज्ञापन लिखते तैयार करते समय प्रमुख रूप से समाज के किसी वर्ग, धर्म या सम्प्रदाय पर कोई टिप्पणी न हो।	
उत्तर 25	(i) शीर्षक — उच्च संस्कृति	04
(ii)	उच्च संस्कृति की उपजाऊ भूमि वही है जहाँ पूर्व और नूतन का मेल होता है।	
(iii)	पूर्व और नूतन का मेल उच्च संस्कृति की उपजाऊ भूमि है। मनुष्य को दुराग्रहो से मुक्त होकर ही प्रत्येक वस्तु को कसोटी पर कसकर देखना और पूर्वकालीन संस्कृति के जो निर्माणकारी तत्व है, उसे लेकर हम अपने कर्म मे लगे रहे और नई वस्तुओ का निर्माण करे।	
उत्तर 26	पद्यांश की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या —	05
	सन्दर्भ → प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-2 के पाठ "उत्साह" से लिया गया है। इसके रचयिता छायावादी कवि "सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला" है।	

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्र. 10 / 2319

पृष्ठ क्र.- 17

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	प्रसंग :- फागुन मास अर्थात बंसत ऋतु की शोभा का वर्णन किया है।	
	व्याख्या :- कवि कहते है कि पेड़ो की डालियो पर हरे तथा किसलयी लाल रंग की पत्तियाँ लगी हुई है। पेड़-पौधों पर फूल आने से ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो पेड़ो ने मंद-मंद सुगन्ध से महकते फूलो की मालाएँ अपने हृदय पर धारण कर ली है। प्राकृतिक शोभा ऐसी अद्भुत है कि वहाँ समा नही पा रही है।	
	अथवा / OR	
(क)	भाव - प्रस्तुत पंक्ति का भाव यह है कि छोटा-सा कमल रूपी बच्चा अपने घर को छोड़कर कवि की कुटिया मे दंतुरित मुस्कान से खिलखिलाने के लिए आ गया है।	
(ख)	भाव - कवि कहता है कि बच्चो की दंतुरित मुस्कान स्वाभाविक होती है। जब वह किसी के हृदय को छूती है तब भावहीन और संवेदना शून्य मनस्य भी सुख और आनंद की अनुभूति करने लगता है।	
उत्तर 27	संबोधन अभिवादन विषयवस्तु - भाषाशैली प्रेषक - पता	05

अथवा / OR

~~सम्बोधन मध्य भाग (मुख्य विषय) समापन~~

हस्ताक्षर

सभी सही होने पर अंक दिए जाएँ

प्राश्निक कोड क्र. 101 2319

पृष्ठ क्र.- 18

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय Hindi विषय कोड 1022 माध्यम

कुल प्रश्न 28

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
उत्तर 28	(अ) छात्रों द्वारा निबंध / अनुच्छेद लेखन में शब्द चयन, प्रस्तुतीकरण, क्रमबद्धता, विस्तार एवं विषय की जानकारी एवं प्रभाव पर अंक दिये जाए (स्वविवेक से)	07
	(ब) किसी एक की स्पष्ट बिन्दुवार रूपरेखा लिखने पर अंक दिये जाएँ।	03
	—×—	

हस्ताक्षर [signature]